निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए

प्रश्न 1 पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है ?

In the first verse, how does Meera request Hari to take away her pain?

उत्तर मीराबाई श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहती हैं श्री कृष्ण आप हमेशा अपने भक्तों का दर्द को दूर करते रहें। वह कहती है कि जब जब भी भक्तों पर कोई भी संकट आया है तब तब श्री कृष्ण ने स्वयं आकर अपने भक्तों के दर्द को दूर किया है। जब कौरवो ने भरी सभा में गणपति को अपमानित करने का साहस किया तो भगवान श्रीकृष्ण ने उस के मान सम्मान की रक्षा की। इसी प्रकार भक्त प्रह्लाद के लिए नरसिंह अवतार धारण किया, हाथी की मगरमच्छ से रक्षा की। श्री कृष्णा से इन सभी दृष्टांतों के द्वारा हुए मीराबाई ने अपनी पीड़ा को भी हरने की विनती की है।

प्रश्न 2 दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है ? स्पष्ट कीजिए।

Why does Meerabai want to do Shyam's chakri in the second verse? Explain.

उत्तर मीरा श्री कृष्ण को सर्वस्व समर्पित कर चुकी हैं इसलिए वे केवल कृष्ण के लिए ही कार्य करना चाहती हैं। श्री कृष्ण की समीपता व दर्शन हेतु उनकी दासी बनना चाहती हैं। वे चाहती हैं दासी बनकर श्री कृष्ण के लिए बाग लगाएँ उन्हें वहाँ विहार करते हुए देखकर दर्शन सुख प्राप्त करें। वृंदावन की कुंज गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं। इस प्रकार दासी के रूप में दर्शन, नाम स्मरण और भाव-भक्ति रूपी जागीर प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती हैं।

प्रश्न 3 मीरा ने श्री कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है ?

How has Meera described the beauty in the form of Shri Krishna?

उत्तर मीराबाई कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहती हैं कि उन्होंने सिर पर मोर मुकुट धारण किया हैं और तन पर पीले वस्त्र सुशोभित हैं। ... कृष्ण बाँसुरी बजाते हुए गाये चराते हैं तो उनका रूप बहुत ही मनोरम लगता है।

प्रश्न 4 मीरा की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

Throw light on Meera's language style.

उत्तर मीरा को हिंदी और गुजरती दोनों की कवयित्री माना जाता है। इनकी कुल सात -आठ कृतियाँ ही उपलब्ध हैं। मीरा की भाषा सरल ,सहज और आम बोलचाल की भाषा है, इसमें राजस्तानी ,ब्रज, गुजरती ,पंजाबी और खड़ी बोली का मिश्रण है।पदों में भक्तिरस है तथा अनुप्रास ,पुनरुक्ति ,रूपक आदि अलंकारों का भी प्रयोग किया गया है।

प्रश्न 5 वे श्री कृष्ण को पाने के लिया क्या - क्या कार्य करने को तैयार हैं ?

What are they ready to do to get Shri Krishna?

उत्तर वे कृष्ण को पाने के लिए अनेकों कार्य करने को तैयार हैं। वह सेविका बन कर उनकी सेवा कर उनके साथ रहना चाहती हैं, उनके विहार करने के लिए बाग बगीचे लगाना चाहती है। वृंदावन की गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं, ऊँचे-ऊँचे महलों में खिड़कियाँ बनवाना चाहती हैं ताकि आसानी से कृष्ण के दर्शन कर सकें।

(ख) निम्नलिखित पंक्तिओं का काव्य - सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए -:

1 हरि आप हरो जन री भीर।

द्रोपदी री लाज राखी ,आप बढ़ायो चीर

भगत कारण रूप नरहरि ,धरयो आप सरीर।

उत्तर इन पंक्तियों में मीरा कहती हैं कि वे श्रीकृष्ण की चाकरी करने के लिए तैयार हैं| इससे उन्हें श्रीकृष्ण के नाम स्मरण का अवसर प्राप्त हो जाएगा तथा भावपूर्ण भक्ति की जागीर भी प्राप्त होगी। इस प्रकार दर्शन, स्मरण और भाव–भक्ति नामक तीनों बातें उनके जीवन में रच–बस जाएँगी।

2 बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुञ्जर पीर।

दासी मीराँ लाल गिरधर , हरो म्हारी भीर।।

उत्तर इन पंक्तिओं में मीरा श्री कृष्ण से उनके दुःख दूर करने की विनती करती हैं। इन पंक्तिओं में तत्सम और तद्भव शब्दों का सुन्दर मिश्रण है। मीरा कहती हैं कि जिस तरह हे !श्री कृष्ण आपने हाथिओं के राजा ऐरावत को मगरमच्छ के चंगुल से बचाया था मुझे भी हर दुःख से बचाओ।

3 चाकरी में दरसन पास्यूँ, सुमरन पास्यूँ खरची।

भाव भगती जागीरी पास्यूँ ,तिन्नू बाताँ सरसी।।

उत्तर इसमें मीरा कृष्ण की चाकरी करने के लिए तैयार है क्योंकि इससे वह उनके दर्शन, नाम, स्मरण और भावभक्ति पा सकती है। इसमें दास्य भाव दर्शाया गया है। भाषा ब्रज मिश्रित राजस्थानी है। अनुप्रास अलंकार, रुपक अलंकार और कुछ तुकांत शब्दों का प्रयोग भी किया गया है।

****